भारत अजेय नहीं है और बुधवार को जब उनकी टीम एशिया कप सुपर चार के मुकाबले में मौजूदा विश्व चैंपियन से भिड़ेंगी तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा कि सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम ने पिछले चार मैचों में क्या हासिल किया है। - फिल सिमंस

बांग्लादेशी कोच, भारत से होने वाले मुकाबले को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अमन सहरावत

भारतीय कुश्ती महासंघ ने सोमवार 22 सितंबर 2025 को पेरिस ओलंपिक के ब्रान्ज मेडल विजेता अमन सहरावत को वर्ल्ड चैंपियनशिप में स्वीकार्य वजन सीम पर खरा नहीं उतर पाने के कारण कारण बताओ नोटिस जारी किया। लेकिन प्रतियोगिता के दिन उनका वजन 1.7 ज्यादा निकला। जिस कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। डब्ल्यूएफआई ने इस बात पर भी नाराजगी जताई कि जगरेब में चार कोच मौजूद थे, लेकिन वे वजन प्रबंधन पर नजर नहीं रख पाए और इसके मद्देनजर उन्हें भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

फाइनल के लिए जगह पक्की करने उतरेगा भारत

दुबई, 23 सितंबर। प्रशंसकों, तैयार हो जाइए, क्योंकि कल रात भारत और बांग्लादेश के बीच मुकाबला है, और यह एक शानदार मैच है। सुपर फोर का माहौल गरमा रहा है और हर तरफ़ चर्चा है। भारत अब तक अजेय रहते हुए मोर की तरह आगे बढ़ रहा है, जबकि बांग्लादेश कुछ आसान जीत के बाद जोश में है। लेकिन सीधे शब्दों में कहें तो, यह एकतरफा मुकाबला रहा है। 17 टी20, 16 भारतीय जीतें, और बांग्लादेश के लिए सिर्फ एक जीत-2019 में, जब बेन स्टोक्स अंपायरों से मिन्नतें कर रहे थे और टिकटॉक पर अभी तक कोई हलचल नहीं हुई थी।

भारत वे खुश हो रहे हैं। शीर्ष पर अभिषेक शर्मा ऐसे धमाल मचा रहे हैं जैसे उन्हें कोई ट्रेन पकड़नी हो-पाकिस्तान के खिलाफ 39 गेंदों पर 74 रन? टूर्नामेंट की अब तक की सबसे बेहतरीन पारी। दूसरे छोर पर शुभमन गिल कमाल के हैं - ऐसे खेलते हैं जैसे उनके पास दुनिया का सारा समय हो। फिर कप्तान सूर्यकुमार यादव हैं, जो मजे के लिए रिवर्स स्कूपिंग करते हैं, और तिलक वर्मा चुपचाप गेंद को घुमाते हैं। संजू सैमसन छिपकर खेलते हैं, हार्दिक पांड्या अपनी लय में आते हैं, शिवम दुबे स्विंग करते हैं-ये बल्लेबाजी की गहराई है जो कई दिनों तक टिकेगी।

और गेंदबाजी-इसे मत भूलना। कुलदीप यादव गेंद को घुमाते हैं, वरुण चक्रवर्ती अपनी चालों से रहस्यमयी हैं, और जसप्रीत बुमराह, जिन्होंने अभी तक अपनी जगह नहीं बनाई है, लेकिन चिंता न करें-उनके पास तूफानी गेंदबाजी है। हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे को सीम-अप के साथ जोड़ दें, तो आपके पास एक अच्छी टीम है।

अब, बांग्लादेश यहां संख्या बढ़ाने के लिए नहीं है। वे मजबूत रहे हैं। सैफ हसन ने श्रीलंका के खिलाफ 61 रनों की शानदार पारी खेली है, तंजीद हसन शीर्ष क्रम में व्यस्त हैं, और लिटन दास उनके कप्तान हैं, जो हमेशा खेल में बने रहते हैं। तौहीद हृदोय लगातार रन बना रहे हैं, चार मैचों में 127 रन बना चुके हैं - वो भी पूरी फॉर्म में। और जैकर अली को नजरअंदाज मत कीजिए, जिन्हें आखिरी ओवरों में धमाकेदार पारी खेलना पसंद है।

गेंदबाजी? मुस्तफिजुर रहमान-द फ़िज-धमाकेदार प्रदर्शन कर रहे हैं, सात विकेट ले चुके हैं, वो भी धीमी गेंदों से जो बल्लेबाजों को बेबस दिखाती हैं। तस्कीन अहमद अपनी लेंथ पर गेंदें मार रहे हैं, महेदी हसन की स्पिन गेंदें नियंत्रण में हैं, और अगर पिच पकड़ती है, तो खेल शुरू हो सकता है।

पिच की बात करें तो-दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम एक अजीबोगरीब पुरानी जगह है। शुरुआत में तेज गेंदबाजों के लिए थोड़ी मूवमेंट होती है, फिर धीरे-धीरे सपाट हो जाती है। बीच के ओवरों में स्पिनरों को थोड़ी मदद मिलती है, लेकिन सबसे बड़ी बात यह है-शाम को ओस पड़ने से लक्ष्य का पीछा करने वालों के लिए काम आसान हो जाता है। यहाँ सात में से पाँच मैच बाद में बल्लेबाज़ी करने वाली टीम ने जीते हैं। तो, टॉस जीतो, डटे रहो, और जीत का पीछा करो। आसान है।

मौसम गर्मी, चिपचिपाहट, बारिश नहीं। खूब पसीना आ रहा है, इसलिए तौलिया साथ ले आओ।

तो फैसला क्या है? भारत प्रबल दावेदार है-अजेय, आत्मविश्वास से भरपूर, बल्लेबाजी और गेंदबाजी में दबदबा। बांग्लादेश के पास मैच में उलटफेर करने के लिए हथियार हैं, खासकर अगर उनके गेंदबाज कमाल कर दें, लेकिन इतिहास उनके खिलाफ है। भारत इस प्रतिद्वंद्विता में सालों से दबदबा बनाए हुए है, और मौजूदा फ़ॉर्म को देखते हुए, उन्हें यह सिलसिला जारी रखना चाहिए।

लेकिन थोड़े-बहुत नाटक की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। दुबई में रात में दूधिया रोशनी में होने वाला यह मैच, दर्शकों का शोरगुल होगा, और बांग्लादेश टक्कर देगा। रन, विकेट और आतिशबाजी की उम्मीद करें। भारत शुरुआत में प्रबल दावेदार होगा-लेकिन टी20 क्रिकेट में कुछ भी हो सकता है। गाड़ी स्टार्ट करो!

भारत की संभावित प्लेइंग :

अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, संजू सैमसन/जितेश शर्मा (विकेटकीपर), शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती

बांग्लादेश की संभावित प्लेइंग :

सैफ हसन, तंजीद हसन तमीम, लिटन दास (कप्तान और विकेटकीपर), तौहीद हृदोय, शमीम हुसैन, जेकर अली, महेदी हसन, नसुम अहमद, तस्कीन अहमद, शरीफुल इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान

क्या भारत वेस्टइंडीज के खिलाफ जसप्रीत बुमराह को आराम देगा?

मुंबई, 23 सितम्बर। बुधवार को, भारत वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम का चयन करेगा, जो 2 अक्टूबर से अहमदाबाद में शुरू होगी। यह चयन भ्रामक रूप से पेचीदा है, क्योंकि भारत पहली बार आर अश्विन के संन्यास का पूरा असर महसूस करने वाला है (उन्होंने अपने करियर के दौरान भारत के 65 घरेलू टेस्ट मैचों में से एक भी नहीं छोड़ा), जसप्रीत बुमराह के कार्यभार को अभी भी प्रबंधित करने की आवश्यकता है, और पिछले साल न्यूजीलैंड से मिली अप्रत्याशित, अभूतपूर्व 3-0 की हार से जुड़े सवाल अभी भी मंडरा रहे हैं। यहां कुछ ऐसे सवाल हैं जिनका जवाब अजीत अगरकर की चयन समिति को देना होगा।

बुमराह को चुनें या उन्हें आराम दें?

अहमदाबाद में पहला टेस्ट एशिया कप के फाइनल के चार दिन बाद शुरू होगा, जिसमें भारत के खेलने की शानदार संभावना है। उनकी एशिया कप टीम के चार सदस्य - टेस्ट कप्तान शुभमन गिल, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और बुमराह - आमतौर पर घरेलू सीरीज के लिए टेस्ट टीम में चुने जाते हैं, लेकिन उनमें से एक के लिए परिस्थितियाँ सामान्य से बहुत दूर हैं।

बुमराह ने इंग्लैंड में भारत की पिछली टेस्ट सीरीज़ में पांच में से केवल तीन मैच खेले थे, और उनकी पीठ की गंभीर चोटों के इतिहास को देखते हुए, उनकी भागीदारी का यह अनुपात निकट भविष्य में भी जारी रहने वाला है। तो क्या भारत वेस्टइंडीज के खिलाफ दोनों टेस्ट मैचों के लिए बुमराह को चुनेगा, या सिर्फ़ एक टेस्ट मैच के लिए? या फिर उन्हें पूरी सीरीज के लिए आराम दिया जाएगा?

एक या दो साल पहले इसी तरह की स्थिति में, भारत को बुमराह को आराम देना ज़्यादा मुश्किल नहीं लगा होगा। लेकिन इस समय उनके गेंदबाजी संसाधन उतने मजबूत नहीं हैं जितने उन्हें घरेलू परिस्थितियों में मिलते हैं। अश्विन की अनुपस्थिति एक बड़ी वजह है, हालांकि आप रवींद्र जडेजा, कुलदीप, वाशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल जैसे स्पिन आक्रमण की उम्मीद कर सकते हैं। पिछले साल न्यूजीलैंड से मिली हार ने भारत को इस बात पर विचार करने के लिए प्रेरित किया होगा कि वे किस तरह की पिचों पर अपने घरेलू टेस्ट मैच खेलना चाहते हैं, और संभवतः चौकोर टर्न वाली पिचों की बजाय सपाट पिचों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया होगा जिससे पहली पारी में बड़ा स्कोर बन सके। हालाँकि, इस तरह के किसी भी बदलाव का मतलब तेज गेंदबाज़ों की भूमिका भी बढ़ाना होगा। और अगर बुमराह नहीं होंगे तो भारत को इस मोर्चे पर मुश्किलें आ सकती हैं।

भारत ने मोहम्मद शमी और उमेश यादव (जो लंबे समय से घरेलू टेस्ट मैचों में उनके पसंदीदा तेज गेंदबाज रहे हैं) को धीरे-धीरे बाहर करने का कोई ख़ास असर महसूस नहीं किया है, लेकिन निकट भविष्य में ऐसी स्थिति की कल्पना करना मुश्किल नहीं है जहां उन्हें खाली सतह पर पुरानी गेंद से खेलने के अनुभव और जानकारी की सख़्त जरूरत महसूस हो। मोहम्मद सिराज और आकाश दीप ने मिलकर सिर्फ़ 19 घरेलू टेस्ट मैच खेले हैं, और प्रसिद्ध कृष्णा ने अभी तक एक भी टेस्ट मैच नहीं खेला है।

महान अंपायर डिकी का निधन

लंदन, 23 सितम्बर। महान इंग्लिश अंपायर डिकी बर्ड का मंगलवार को 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। अपने दो दशकों से ज्यादा लंबे अंपायरिंग करियर में, बर्ड ने 66 टेस्ट और 69 वनडे मैचों में अंपायरिंग की, जिसमें पहले तीन पुरुष वनडे विश्व कप फाइनल भी शामिल हैं। यॉर्कशायर क्रिकेट क्लब ने एक बयान में कहा, "डिकी बर्ड ने एक अंतरराष्ट्रीय अंपायर के रूप में एक शानदार करियर का आनंद लिया और खेल के इतिहास में सबसे प्रसिद्ध और लोकप्रिय अंपायर के रूप में अपना नाम इतिहास में दर्ज कराया।" "अपने शानदार करियर में, उन्होंने 66 टेस्ट मैचों और 69 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में अंपायरिंग की, जिसमें तीन विश्व कप फाइनल भी शामिल हैं - अपनी ईमानदारी, हास्य और बेबाक शैली के लिए खिलाड़ियों और प्रशंसकों, दोनों की प्रशंसा अर्जित की।" वह यॉर्कशायर क्रिकेट का पर्याय हैं, जहां वह सबसे वफ़ादार समर्थकों में से एक रहे हैं। 2014 में, उन्हें यॉर्कशायर काउंटी क्रिकेट क्लब का अध्यक्ष नियुक्त किया गया और इस पद को उन्होंने गर्व और विशिष्टता के साथ निभाया। बर्ड ने इंग्लिश काउंटी यॉर्कशायर और लीसेस्टरशायर के लिए खेला, लेकिन एक अंतरराष्ट्रीय अंपायर के रूप में अपनी पहचान बनाई। अपने घरेलू करियर में, बर्ड ने 93 प्रथम श्रेणी मैच खेले, जिनमें 3314 रन बनाए, और 1973 में अपने अंतरराष्ट्रीय अंपायरिंग करियर की शुरुआत करने से पहले 2 लिस्ट ए मैच भी खेले। उन्होंने 1996 में संन्यास ले लिया, और आखिरी बार भारत के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में अंपायरिंग की थी, जिसमें पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली और राहुल द्रविड़ ने पदार्पण किया था।

मानव सुथार का पंजा ऑस्ट्रेलिया 9/350

लखनऊ, 23 सितम्बर। ऑस्ट्रेलिया ए ने भारत ए के खिलाफ दूसरे अनधिकृत टेस्ट के पहले दिन मंगलवार को अपनी पहली पारी में नौ विकेट पर 350 रन बना लिए। भारत ए की तरफ से मानव सुथार ने पांच विकेट झटके।

अरावली पोलो और मेफेयर पोलो टीमें जीती

जयपुर, 23 सितम्बर। पीपीसी पोलो ग्राउंड पर ऑल स्टार पोलो टीम ओर मेफेयर पोलो टीम के बीच मैच खेला गया जिसमें मेफेयर पोलो टीम ने ऑल स्टार पोलो टीम को 5 के मुकाबले 6 गोल से हराया। मेफेयर पोलो टीम की ओर से सवीर, शमशीर ओर बतिस्ता ने अपनी टीम के लिए 1- 1 गोल किया। वहीं अनय सिंह ने 3 गोल किए। ऑल स्टार पोलो टीम की ओर से डीनो धनखड़ ओर ध्रुवपाल गोदारा ने 2- 2 ओरमतिहास ने अपनी टीम के लिए 1 गोल किया। पीपीसी पोलो ग्राउंड पर अरावली पोलो टीम ओर नेवी कानोता पोलो टीम के बीच मैच खेला गया जिसमें अरावली पोलो टीम ने नेवी कानोता पोलो टीम को 5 के मुकाबले 8 गोल से हराया। अरावली पोलो टीम की ओर से हुर्र अली ने 2, देवेंद्र सिंह ने 1 ओर कुलदीप सिंह ने 5 गोल किए। नेवी कानोता पोलो टीम की ओर से गोंज़ालो यानज़ोन 4 गोल किए ओर सलीम ने 1 गोल किया।

पीकेएल-12 : टाईब्रेकर में जयपुर पिंक पैंथर्स ने यू मुंबा को हराया, जीत की पटरी पर लौटे

जयपुर, 23 सितंबर। सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में मंगलवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन के 48वें मैच में जयपुर पिंक पैंथर्स का सामना यू मुंबा से हुआ। निर्धारित समय तक 38-38 से टाई रहने के बाद मैच टाईब्रेकर में गया, जिसमें मेजबान जयपुर ने 6-4 के अंतर से बाजी मार ली। यह मैच वापसी के लिए जाना जाएगा। मुंबा एक समय 10 अंक से पीछे चल रहे थे और फिर उसने वापसी करते हुए न सिर्फ स्कोर बराबर किया बल्कि 10 अंक की लीड बना ली लेकिन फिर जयपुर ने शानदार वापसी करते हुए मैच को टाई करा लिया। मुंबा के लिए संदीप ने 14 अंक के साथ अपना श्रेष्ठ खेल दिखाया जबकि जयपुर के लिए नितिन धनखड़ (14) ने सुपर-10 लगाया। इसके बाद डिफेंस ने डू ओर डाई रेड पर संदीप को लपक स्कोर 31-36 किया और मुंबा को दो खिलाड़ियों तक सीमित किया और फिर नितिन ने उसे आलआउट की ओर धकेला और इसे अंजाम तक लाकर स्कोर 35-37 कर दिया। नितिन ने फिर सुनील को बाहर कर फासला 1 का कर दिया लेकिन संदीप ने इसे फिर 2 का कर दिया।

दिनेश कार्तिक हांगकांग सिक्सेस 2025 के लिए बने टीम इंडिया के कप्तान

हांगकांग, 23 सितंबर। क्रिकेट हांगकांग ने मंगलवार को घोषणा की कि अनुभवी भारतीय क्रिकेटर दिनेश कार्तिक आगामी प्रतिष्ठित हांगकांग सिक्सेस 2025 में टीम इंडिया की कप्तानी करेंगे, जो 7 नवंबर से आयोजित किया जाएगा।

अपने विशाल अंतरराष्ट्रीय अनुभव, कुशल नेतृत्व कौशल और विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए माने जाने वाले, कार्तिक का कप्तान के रूप में शामिल होना प्रशंसकों को प्रेरित करेगा और टूर्नामेंट की प्रतिस्पर्धी भावना को बढ़ाएगा।

इस अवसर पर, क्रिकेट हांगकांग के अध्यक्ष बुर्जी श्रॉफ ने कहा, "हमें हांगकांग सिक्सेस 2025 के लिए टीम इंडिया के कप्तान के रूप में दिनेश कार्तिक का स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है। उनका नेतृत्व और अनुभव इस प्रतियोगिता में अपार मूल्य जोड़ेंगे, और हमें विश्वास है कि उनकी उपस्थिति दुनिया भर के प्रशंसकों को इस शानदार क्रिकेट उत्सव का गवाह बनने के लिए आकर्षित करेगी।" कप्तान के रूप में अपनी नियुक्ति पर, हांगकांग सिक्सेस के लिए टीम इंडिया के कप्तान दिनेश कार्तिक ने कहा, "हांगकांग सिक्सेस में टीम इंडिया का नेतृत्व करना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है, यह एक ऐसा टूर्नामेंट है जिसका इतिहास इतना समृद्ध और वैश्विक स्तर पर जाना जाता है।

ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप मामले में ईडी के सामने पेश हुए युवराज सिंह

सोनू सूद से 24 सितंबर को होगी पूछताछ

नई दिल्ली, 23 सितंबर। भारत के पूर्व स्टार क्रिकेटर युवराज सिंह ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप वनबेट से जुड़े धन शोधन के मामले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष मंगलवार को पेश हुए। सफेद टीशर्ट और जींस पहे 43 वर्ष के युवराज दोपहर बाहर बजे एजेंसी के दफ्तर पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी ने इस हरफनमौला से पूछतछ की ओर धन शोधन निरोधक अधिनियम के तहत उनके बयान दर्ज किए।एक इन्फ्लुएंसर अन्वेशी जैन भी इसी मामले में पूछताछ के लिए ईडी के समक्ष पेश हुई। ईडी इससे पहले क्रिकेटर सुरेश रैना, शिखर धनव, रॉबिन उथप्पा, टीएमसी की पूर्व सांसद और बांग्ला अभिनेत्री मिमि चक्रवर्ती, अभिनेता अंकुश हाजरा से भी पूछताछ कर चुका है। अभिनेता सोनू सूद को बुधवार को पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

आरसीए अंडर-15 महिला टीम की ओपन चयन ट्रायल आगामी 26-28 को जयपुर में आयोजित करेगा

जयपुर, 23 सितम्बर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई की आगामी अंडर 15 वीमेन राष्ट्रिय क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए द्वारा आयोजित की जाने वाली वीमेन अंडर 15 प्रतियोगिता हेतु आरसीए आगामी 26 से 28 सितम्बर 2025 को 3 दिवसीय राज्य स्तरीय ओपन चयन ट्रायल जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित आरसीए अकादमी पर आयोजन किया जायेगा।

चयन ट्रायल में भाग लेने वाली खिलाडियों को कलर्डक्लोथिंगमें आना आवश्यक है। चयन ट्रायल में वो ही खिलाडी भाग ले सकते हैं जिनका जन्म दिनांक 01 /09/ 2010 से 31 /08 /2013 के मध्य हुआ हो। चयन ट्रायल में भाग लेने हेतु खिलाडियों को निम्नलिखित मूल दस्तावेज साथ लाना आवश्यक है :- कंप्यूटर जनित जन्म प्रमाण पत्र (अनिवार्य), बोनाफाइड प्रमाण पत्र (अनिवार्य) पिछले तीन वर्षों की शिक्षा की अंकतालिका (अनिवार्य), आधार कार्ड/ वोटर आईडी/ड्राइविंग लाइसेंस/ पासपोर्ट/पैन कार्डे। अंडर 19 चयन ट्रायल में वो ही खिलाडी भाग ले सकते हैं जिनका जन्म दिनांक 01 /09/ 2006 या उसके पश्चात हो।

आरसीए द्वारा आयोजित की जाने वाली 3 दिवसीय अंडर 15 वीमेन टीम चयन ट्रायल का विवरण :- दिनांक 26 सितम्बर प्रातः 10 बजे (जिले)। अजमेर, अलवर, बांसवाड़ा, बारां, बाड़मेर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बीकानेर, बूंदी, चित्तौड़गढ़, चूरू। दिनांक 27 सितम्बर प्रातः 10 बजे (जिले) दौसा, धौलपुर, डूंगरपुर, हनुमानगढ़, प्रतापगढ़, जैसलमेर, जालोर, झालावाड़, झुंझनू, जोधपुर व करौली। दिनांक 28 सितम्बर प्रातः 10 बजे (जिले) कोटा, नागौर, पाली, राजसमंद, सवाईमाधोपुर, सीकर, सिरोही, श्रीगंगानगर, टोंक, उदयपुर, जयपुर।

प्रथम पृष्ठ का शेष

राहुल गांधी की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परतों में साफ नजर आ रही हैं। जब राहुल गांधी की बिहार यात्रा आयोजित की गई थी, तो उसमें आरजेडी और सीपीआई सहित, सभी गैर एनडीए सहयोगियों को आमंत्रित किया गया था। लेकिन इसके तुरंत बाद, तेजस्वी यादव ने अपनी "बिहार अधिकार यात्रा" की शुरुआत अकेले ही कर दी और उन्होंने राहुल गांधी और राज्य के कांग्रेस नेताओं को न्योता देने का सामान्य शिष्टाचार तक नहीं दिखाया।

यात्रा के दौरान और उसके बाद, तेजस्वी के करीबी यह दावा करते रहे हैं कि आरजेडी न सिर्फ सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी, बल्कि तेजस्वी यादव ही निर्विवाद रूप से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे।

कांग्रेस की आधिकारिक स्थिति यह है कि मुख्यमंत्री पद का फैसला चुनाव परिणाम आने के बाद ही किया जाएगा, हालांकि, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश सिंह, जो कांग्रेस से अधिक आरजेडी के अधिक निकट माने जाते हैं, जैसे नेताओं ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि तेजस्वी ही मुख्यमंत्री बनेंगे।

राहुल गांधी, आश्चर्यजनक रूप से, इस मुद्दे पर चुप रहे है।

मुद्दा यह है, व्यक्तिगत स्तर पर राहुल गांधी ने "वोट चोरी" के मुद्दे पर प्रभावी अभियान चलाया है, लेकिन आरजेडी नेतृत्व कांग्रेस को कोई राजनीतिक स्पेस देने को तैयार नहीं दिख रहा।

2020 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने 70 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 19 सीटें जीती थीं, लेकिन पार्टी का यह आरोप बना रहा कि कांग्रेस को दी गई आधे से ज्यादा सीटें ऐसी थीं, जहाँ जीतना लगभग असंभव था। इस बार, कांग्रेस नेताओं का कहना है कि चाहे सीटों की संख्या घटाई भी दी जाए, लेकिन उन्हें ऐसी सीटें दी जाएँ जहाँ पार्टी का जनाधार मौजूद है।

फिलहाल आरजेडी और कांग्रेस दोनों अपने-अपने रास्ते पर चल रहे हैं। जहाँ अपने सम्मेलन और बैठकें अलग से कर रही है, वहीं पवन खेड़ा के नेतृत्व वाली कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी ने सभी जिलों और अधिकांश विधानसभा क्षेत्रों का दौरा कर उम्मीदवारों के बायोडाटा इकट्ठा कर लिये हैं। यह रणनीति कुछ हद तक "घोड़े से पहले गाड़ी" जैसी लगती है, क्योंकि इससे बड़ी संख्या में ऐसे संभावित उम्मीदवार सामने आ जाएँगे, जिन्हें बाद में टिकट देने से मना करना पड़ेगा।

- **तेजस्वी ने "बिहार अधिकार यात्रा" आरंभ कर रखी है, जिसमें कांग्रेस या उसके नेता आमंत्रित नहीं। दूसरी ओर कांग्रेस ने राहुल गांधी के नेतृत्व में ऐतिहासिक सदाकत आश्रम में सीडब्ल्युसी बैठक आयोजित की है, 1940 के बाद, और पार्टी के कार्यकर्ताओं का मनोबल काफी ऊँचा है।**

ट्रंप का "वीज़ा खेल" : भारत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि यह सफाई बस दिखावे की है। मर्चेंट बैंक बेरेनबर्ग के अर्थशास्त्री, अताकान बाकिस्कन ने "द गार्जियन" से बात करते हुए कहा, "वीज़ा को बेहद महंगा बनाकर ट्रंप प्रशासन अमेरिका में वैश्विक प्रतिभाओं के आगमन को हतोत्साहित कर रहा है।" उन्होंने इस कदम को "विकास विरोधी नीति" बताया और कहा कि यह नीति इंजीनियरों, वैज्ञानिकों और कोडरों को दूर करके उत्पादकता को रोक देगी, खासतौर से भारत से आने वालों को, जो एच-1बी वीज़ा का 70 प्रतिशत से ज़्यादा हिस्सा रखते हैं।

बेरेनबर्ग ने हाल ही में अमेरिका की वृद्धि का अनुमान 2 प्रतिशत से घटाकर 1.5 प्रतिशत कर दिया और चेताया कि अगर नीति में बदलाव नहीं हुआ तो 1.5 प्रतिशत का आंकड़ा भी जल्द ही ज़्यादा आशावादी लग सकता है। बाकिस्कन ने कहा कि आर्टिफिशल इंटैलिजैंस में कितना भी निवेश कर लिया जाए, लेकिन सख्त इमिग्रेशन नियमों के कारण होने वाली प्रतिभाशाली मानव पूंजी की कमी को पूरा नहीं किया जा सकता।

ब्रोकरेज कंपनी एक्सटीबी की शोध निदेशक कैथलीन ब्रूक्स ने बताया कि एमेज़ॉन, माइक्रोसॉफ्ट, मेटा, एप्पल और गूगल, एच-1बी वीज़ा का सबसे ज़्यादा इस्तेमाल करने वालों में हैं। उनके अनुसार, बड़ी कंपनियां तो शायद यह खर्च सहन कर लेंगी, लेकिन स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसे क्षेत्र, जो प्रवासी पेशेवरों पर निर्भर हैं, भर्ती में बड़ी कठिनाइयों का सामना कर सकते हैं।

भारत के लिए असर वास्तविक होगा, लेकिन सीमित। चूंकि भारतीय नागरिक वीज़ा प्राप्त करने वालों में सबसे अधिक हैं, इसलिए भारतीय आईटी कंपनियों और पेशेवरों पर शुरुआती झटका पड़ सकता है। उद्योग संस्था नैसकॉम ने बीबीसी से कहा कि वीज़ा शुल्क में बढ़ोतरी अमेरिका में कुछ ऑनशोर प्रोजेक्ट्स के व्यापारिक संचालन को बाधित कर सकती है, जिससे ग्राहक नए दाम तय करने या काम को, कानूनी स्थिति साफ होने तक, टालने की कोशिश कर सकते हैं। कंपनियां कर्मचारी ढांचे (स्टाफिंग मॉडल) को भी बदल सकती हैं: डिलीवरी को ऑफशोर शिफ्ट करना, ऑनशोर भूमिकाएं कम करना और स्पॉन्सरशिप को सख्त करना।

फिर भी इंफोसिस और टीसीएस जैसी भारतीय आउटसोर्सिंग कंपनियां ऐसे झटकों के लिए पहले से तैयारी कर रही हैं। उन्होंने अमेरिका में स्थानीय कार्यबल तैयार किया है और ऑफशोर डिलीवरी मॉडल मजबूत किए हैं। स्टाफिंग कंपनी सीआईईएल एचआर के आदित्य नारायण मिश्रा ने कहा कि कई फर्में यह अतिरिक्त खर्च अमेरिकी ग्राहकों पर डालने की योजना बना रही हैं और रिमोट कॉन्ट्रैक्टिंग, ऑफशोर कामकाज और फ्रीलांस कर्मचारियों पर ज्यादा भरोसा करेंगी।

आईटी सेक्टर से बाहर भी अमेरिका की अर्थव्यवस्था में भारत की मौजूदगी बहुत बड़ी है: भारतीय मूल के अधिकारी गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और आईबीएम का नेतृत्व कर रहे हैं, जबकि अमेरिका के लगभग 6 प्रतिशत डॉक्टर भारतीय हैं। नई प्रतिभाओं की आवक को सीमित करना कई उद्योगों में रुकावटें पैदा कर सकता है। कुल मिलाकर, जहां भारत व्यवसायिक रणनीतियों और डिलीवरी मॉडल बदलकर इस तत्काल उथल-पुथल से निकल सकता है, वहीं अमेरिका के सामने बड़ा खतरा है, अपने ही विकास इंजन को उस वैश्विक प्रतिभा से काट देना, जिसने उसकी अर्थव्यवस्था को ताकतवर बनाया था।

- **पर, अमेरिका के लिए भारतीय मूल के प्रोफैशनल्स को, जो उनकी जानी-मानी कंपनियों, जैसे, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, आईबीएम का नेतृत्व संभाले हुए हैं, उनका विकल्प ढूढ़ना आसान नहीं। साथ ही, इस टैलैंट का अमेरिका में प्रवेश बाधित करके, इस टैलैंट की पाइप लाइन का गला घुट जायेगा, और पाइप लाइन "चोक" हो जायेगी।**

आरपीएससी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रियदर्शी की नियुक्ति के बाद अब आरपीएससी में दो पूर्व आईपीएस हो गये है। हेमंत प्रियदर्शी रिटायर्ड आईपीएस अफसर हैं। वे इसी साल मई में रिटायर्ड हुए हैं। दूसरे सदस्य डॉ. अशोक कलवार जोधपुर के जाने माने कैंसर स्पेशलिस्ट हैं। तीसरे डॉ सुशील कुमार बिस्सू अजमेर जिले के रहने वाले हैं और मैथमेटिक्स में एमएससी और पीएचडी हैं।

विश्वास नहीं जम पा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और ऐसे उम्मीदवारों को ही वरीयता दी जाए। हालांकि नई प्रणाली के बारीक नियमों और उनके असर को अभी समझना बाकी है, लेकिन पूरे प्रयास ने अनिश्चितता का माहौल बना दिया है।

फिर भी, अचानक की गई इस घोषणा और डॉनल्ड ट्रंप की तीखी बयानबाज़ी ने विदेशी कर्मचारियों-खासतौर से टैक्नॉलजी क्षेत्र में एच-1बी वीज़ा पर काम करने वालों को अनुमति देने की व्यवस्था को नुकसान पहुँचा दिया है। तकनीकी और आईटी क्षेत्र की वे कंपनियां जो इस सुविधा का सबसे अधिक उपयोग करती हैं, अब अमेरिकी संघीय सरकार के बदले हुए रुख को लेकर चिंतित हैं।

उद्योग जगत की अन्य हस्तियों ने भी सरकार के इस कदम की आलोचना की है। इनमें प्रमुख हैं जेपी मॉर्गन इन्वेस्टमेंट बैंक के प्रमुख जेमी डाइमोन। उन्होंने कहा कि उनके दादा स्कूल छोड़ने का प्रमाणपत्र लिए बिना ही अमेरिका आ गए थे।

टेस्ला और अन्य कंपनियों के मालिक, दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क ने भी कहा कि वह योजना तेज दिमागों को अमेरिका आने और अपने साथ-साथ अपनाए गए देश के लिए लाभदायक तरीके से काम करने का अवसर देती थी। अमेरिकी सरकार की कुछ आश्वस्त करने वाली बातों के बावजूद माहौल पर इसका नकारात्मक असर पड़ा है।

संघीय सरकार क्या कदम उठाने वाली है, इस डर को आज 80वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा में ट्रंप के भाषण में लगातार आव्रजन विरोधी रुख ने और पुख्ता कर दिया। उनके शब्दों ने अमेरिका में प्रवास को सीमित करने की उनकी सोच को स्पष्ट कर दिया।

ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र संघ पर ही आरोप लगाया कि वह सीमा पार प्रवासन को प्रोत्साहित कर रहा है और अवैध प्रवासियों को आर्थिक मदद और आवास दे रहा है। उन्होंने अपने हमले का दायरा बढ़ाते हुए यूरोपीय देशों की भी आलोचना की कि वे अवैध प्रवासन के खतरों को पर्याप्त गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। ट्रंप ने इन देशों से सीधे कहा कि उनके देश बर्बादी की ओर बढ़ रहे हैं।

डॉनल्ड ट्रंप की आव्रजन और विदेशी कर्मचारियों पर की गई यह बयानबाज़ी भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि उसका आईटी क्षेत्र अपने निरंतर कामकाज के लिए बहुत बड़े पैमाने पर अमेरिका पर निर्भर है। एच-1बी वीज़ा का लगभग 70 प्रतिशत भारतीय आवेदकों को मिलता है और देश की बड़ी आईटी सेवा कंपनियां अपने व्यवसाय के लिए पूरी तरह अमेरिका पर टिकी हुई हैं।

भारतीय कंपनियों को जल्द ही वैकल्पिक कामकाज मॉडल ढूँढने होंगे,